NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Kshitij)

CH 4 – उत्साह, अट नहीं रही है – निराला

1. कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' लिए कहता है क्यों?

उत्तर: कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहता है क्योंकि गर्जना विद्रोह का प्रतीक है। कवि चाहता है कि समाज में भी शोषण के प्रति विद्रोह हो।

2. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?

उत्तर: कविता का शीर्षक उत्साह इसलिए रखा गया है, क्योंकि कवि समाज को एक नए उत्साह से भर कर उनके जीवन में हो रहे शोषण के प्रति विद्रोह के लिए प्रेरित कर रहा है।

3. कविता में बादल किन किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

उत्तर: कविता में बादल निम्नलिखित अर्थों की ओर संकेत करता है:

क) समाज में हो रहे शोषण से, विकास के लिए प्यासी जनता की प्यास बुझाने वाली शक्ति की ओर।

ख) समाज में उत्साह उत्पन्न करने वाले एक नेता की ओर।

ग) लोगों के हृदय में छिपी, बिजली की तरह प्रकाशमान शोषण रहित समाज की कल्पना की ओर।

4. शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भव्य दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो नाद - सौंदर्य कहलाता है। उत्साह कविता में ऐसे कौन कौन से शब्द है जिनमें नाद - सौंदर्य मौजूद है, छांटकर लिखें।

उत्तर: कविता की इन पंक्तियों में नाद - सौंदर्य है:

क)"घेर घेर घोर गगन,धाराधर ओ!"

ख) "ललित ललित काले घुंघराले,

बाल कल्पना के-से पाले"

ग) "विद्युत छवि उर में"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अट नहीं रही है

1. छायावाद की एक खास विशेषता है अंतर मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना।कविता की किन-किन पंक्तियों को पढ़कर या धारणा पुष्ट होती है? लिखिए।

उत्तर: कविता की निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है:

कहीं सांस लेते हो

घर घर भर देते हो

उड़ने को नभ में तुम

पर पर कर देते हो

2. कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

उत्तर: कवि की आँख फागुन की सुंदरता से हट नहीं रही है,क्योंकि फागुन मास में प्रकृति अपने चरम सौंदर्य पर है।चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है।पेड़ों की डालियां पत्तों से लदी हैं,पेड़ों पर पुष्प आ जाने से पेड़ कहीं हरे और कहीं लाल दिखाई दे रहे हैं।पुष्पों की महक भी पूरे वातावरण में फैल गई है।अतः कवि प्राकृतिक सुंदरता को अनदेखा करने में असक्षम है।

3. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

उत्तर: प्रस्तुत कविता "अट नहीं रही है", में कवि सूर्यकांत त्रिपाठी" निराला" जी ने पेड़ों पर आए नए पत्ते एवं पुष्पों, पुष्पों से फैलने वाली मादक सुगंध, वृक्षों पर नये फल, आसमान में उड़ते हुए पक्षी, खेत खलियान में आई हुई फसल, चारों तरफ से फैली हुई हरियाली से लोगों में आए हुए उल्लास के माध्यम से प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किया है।

4. फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?

उत्तर: फागुन मास के समय प्रकृति पुनः सृजन करती है। पेड़ों पर नव शाखा एवं पुष्प आते हैं, इस कारण पूरा वातावरण फूलों की सुगंध से सुगंधित एवं उनके रंग से रंगीन हो जाता है। मौसम सुहावना होता है। इस मौसम में पक्षी भी आसमान में स्वच्छंद विचरण करते हैं और प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेते हैं।लोगों में खुशी का माहौल होता है। इन सभी मायनों में फागुन का सौंदर्य मास अन्य ऋतुओं से भिन्न है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य शिल्प की विशेषताएं बताएं।

उत्तर: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी छायावाद के प्रमुख कवि हैं। अतः यह छायावाद के अनुरूप प्रकृति का चित्रण करते हैं,और प्रकृति में व्याप्त निर्जीव वस्तुओं को एक सजीव वस्तु के रूप में दिखाते हैं। इनकी कविता "उत्साह" इनके समाज के प्रति गहन चिंतन एवं बादलों के मानवीकरण को प्रदर्शित करती है,वहीं दूसरी कविता "अट नहीं रही है"ग्रामीण जीवन में फागुन मास के समय में आए परिवर्तनों को प्रदर्शित करती है ,एवं फागुन को एक उत्सुक मनुष्य के रूप में प्रदर्शित करती है ,जो इधर-उधर विचरण करना चाहता है। इनकी कविताओं में छायावाद की अन्य विशेषताएं जैसे गेयता, प्रवाहमयता और अलंकार योजना इत्यादि भी है। निराला जी की कविताओं की कविताओं में खड़ी बोली, जनमानस में व्याप्त शब्दों का सुंदर प्रयोग किया गया है। इनकी कविताएं अतुकांत हैं परंतु फिर भी एक तुकबंदी से बनी हुई रचना जैसी ही रसभरी एवं सुंदर हैं। इनकी कविता समाज में नई चेतना जगाने का प्रयास करती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in